तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला
School of Comparative Languages and Culture

CRITERIA 6.3.4

6.3.4 Teachers attending professional development programs, viz., Orientation Program, Refresher Course, Short Term Course, Faculty Development Programs during the last five years

Year	Name of teachers who attended	Title of the professional development program	Date and Duration (from – to)
2015	Mr. Mukesh Bhargava	National Seminar on "Yuwaon me badta tanaav, chunautiyan evam samadhaan"	06-07 Feb, 2015
2017	Mr. Mukesh Bhargava	International Seminar on "Vaishwikaran aur Bhashayi chunautiyan"	27-28 March, 2017
2017	Mr. Mukesh Bhargava	International Seminar on "Lok evam janjaatiya sahitya aur sanskriti"	09-10 September, 2017
2018	Mr. Mukesh Bhargava	International Seminar on " Stree vimarsh: parampra evam naveen aayaam"	28-Feb-18
2018	Mr. Mukesh Bhargava	One Day National Seminar on "Linguistic Challenges & Possibilties in the New Millenium"	17-Apr-18
2018	Mr. Mukesh Bhargava	National Seminar on "Hindi Kavita mein Rashtriya Sanchetna"	05-Oct-18
2018	Mr. Mukesh Bhargava	International Seminar on "Lok evam janjaatiya sahitya aur sanskriti"	06-07 October, 2018
2019	Mr. Mukesh Bhargava	National Workshop on "Social Media ke vividh platform evam unka sanchalan"	18-25 February, 2019
2019	Mr. Mukesh Bhargava	International Seminar on "Kinner Sabhyata Sanskriti evam Sahitya"	16-Mar-19
2019	Mr. Mukesh Bhargava	International Seminar on "Digital Media aur Hindi: Sambhavnaayein aur Chunautiyan"	28-29 March, 2019

Head
School of Comparative Languages and Culture
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

Scanned by CamScanner

6.3.4

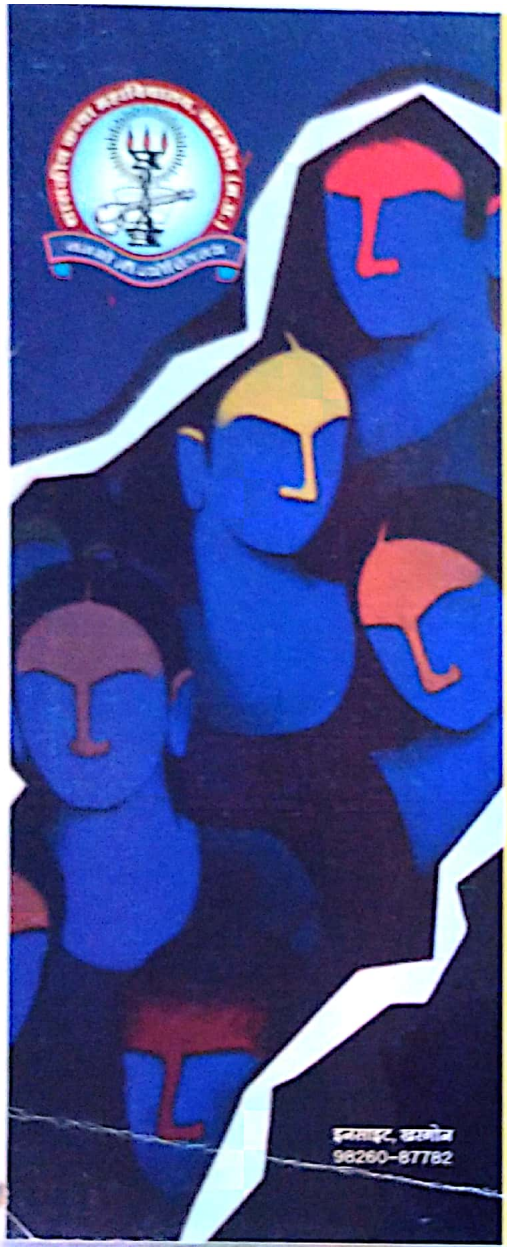

शासकीय कन्या महाविद्यालय, खरगोन (म.प्र.)

राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी

"युवाओं में बढ़ता तनाव चुनौतियाँ एवं समाधान"

6-7 फरवरी 2015

।। प्रमाण-पत्र ।।

प्रमाणित किया जाता है कि मुकेश मार्गव

पद अतिथि विद्वान संस्था शासकीय महाविद्यालय, भीकनगांव

आयोजित एवं उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी में

विषय पर

शोध पत्र का वाचन /प्रस्तुत /सहभागिता की।

Reg No. 130

डॉ. राजेन्द्र कुमार यादव	प्रो. जयंती जोशी	प्रो. एम.के. गोखले
आयोजन सचिव	समन्वयक	प्राचार्य एवं मार्गदर्शक
राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी	राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी	राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी

Stop Stressing- Start Living

Scanned by CamScanner

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर (म.प्र.)

(नैक द्वारा ए ग्रेड प्राप्त)

हिन्दी विभाग

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

27-28 मार्च 2017

"वैश्वीकरण और भाषाई चुनौतियाँ"

प्रमाण-पत्र

श्री/~~श्रीमती~~/~~कुमारी~~/डॉ. मुकेश भार्गव

विभाग _____ महाविद्यालय तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या वि.विद्यालय, इन्दौर

ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित एवं महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में सहभागिता की एवं "भाषा प्रयोजनीयता : विविध आयाम" विषय पर व्याख्यान/शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. कला जोशी
विभागाध्यक्ष एवं संयोजक

डॉ. नलिनी जोशी
प्राचार्य एवं संरक्षक

Scanned by CamScanner

www.garbhanal.com

ISSN 2249-5967
MPHIN/2011/55820

गर्भनाल पत्रिका

प्रवासी भारतीयों की मासिक पत्रिका

विशेषांक

वैश्वीकरण और भाषाई चुनौतियाँ

अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार

27-28 मार्च 2017

श्री अटलबिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं
वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर
NAAC "A" Grade College

विशेषांक सम्पादक
डॉ. कला जोशी
विभागाध्यक्ष, हिंदी

Scanned by CamScanner

भाषा प्रयोजनीयता : विविध आयाम

☐ **मुकेश भार्गव** सहायक प्राध्यापक हिन्दी तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला दे.अ.वि.वि.इन्दौर

मानव अपने भावों को व्यक्त करने के लिए जिस सार्थक मौखिक साधन को अपनाता है वह भाषा है। भाषा संस्कृति की संवाहिका है। किसी भी देश का प्रतिबिम्ब उस देश की संस्कृति और भाषा होती है। भाषाविहीन देश और उसका समाज कभी विकसित नहीं होता। जबतक आपके पास राष्ट्र भाषा नहीं है आपका कोई राष्ट्र नहीं है। स्पष्टरूप से भाषा का विकास ही राष्ट्र भाषा का विकास है। हमारी राज भाषा हिन्दी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ी हुई है। प्राचीनकाल से आजतक यह विविधि रूपों में विकसित हो रही है। यद्यपि संकेत आदि के द्वारा कुछ भावों की अभिव्यक्ति हो जाती है परन्तु अपने भावों को सूक्ष्म और स्पष्ट रूप में व्यक्त करने का साधन भाषा ही है। मनन चिंतन की भाषा ही एक जीवन ज्योति है। जो एक व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति से संबंध स्थापित करती है। यदि मनुष्य के पास भाषा जैसा अमोघ अस्त्र न होता तो मनुष्य भी पशु पक्षीयों के तुल्य अपने भावों को अत्यंत स्पष्ट रूप से प्रकट करने में असमर्थ रहता। यह भाषा वस्तुतःमानव शरीर में देवी अंश है जो इस सृष्टि में केवल मनुष्य मात्र को ही प्राप्त है। यह दिव्य ज्योति ही समस्त संसार में अपना प्रकाश फैलाये हुए है। इस भाषा रूपी ज्योति के बिना संसार घोर अंधकारमय होता।

भाषा की प्रयोजनीयता:– प्रयोजनमूलक हिन्दी आधुनिक युग की भाषा का नया रूप है। जो व्यक्ति विशेष की प्रयोजनीयता से जुड़ा हुआ है। आधुनिक युग मे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अभूतपूर्व प्रस्फुटन प्रचलन के कारण हिन्दी भाषा की प्रवृतियों में एवं प्रायोगिक स्तरों में परिवर्तन की आवश्यकता महसूस होने लगी। फलस्वरूप उसके नये रूप भी उभर कर सामने आये हैं। हिन्दी का सर्वथा नया प्रयोगधर्मी रूप उभर कर सामने आया जो प्रयोजनमुलक हिन्दी कहलाया। जिस भाषा का प्रयोग किसी विशेष प्रयोजन की सिध्दि के लिये किया जाए उसे प्रयोजनमूलक भाषा कहा जाता है। इसका प्रमुख लक्ष्य जीविकोपार्जन का साधन बनना है। आज यह केवल साहित्य तक सीमित नहीं है बल्कि अनेक क्षेत्रों में भी प्रयुक्त हो रही है। जैसे डॉक्टर,वकील,पत्रकार,मीडियाकर्मी, व्यापारी, वैज्ञानिक,कृषक आदि के कार्य क्षेत्रों में प्रयुक्त भाषा ही प्रयोजनमूलक भाषा हैं। जिसके लिए किसी भी भाषा को विकसित करना तथा उसके माध्यम से कार्य को आगे बढ़ाना प्रयोजनमूलक भाषा का प्रमुख उद्देश्य हैं।

भाषा के विविध आयाम:– आज के युग में हर भाषा के दो रूप होते हैं। पहला उसका साहित्यिक रूप और दूसरा प्रयोजनमूलक या कामकाजी रूप। भाषा एक ऐसी इकाई है जिसका संबंध व्यक्ति से लेकर समष्टि तक है। भाषा के मुख्यरूप से मौखिक और लिखित दो रूप होते हैं। भाषा के विविध आयामों का परिचय इस प्रकार है–

1. सृजनात्मक भाषा के रूप में – सृजनात्मक भाषा का पर्याय रचनात्मक भाषा है। सृजनात्मक भाषा का प्रयोग साहित्य के क्षेत्र में किया जाता है। इस भाषा में अनुभव कल्पना का समन्वय होता है।

2. संचार भाषा के रूप में – आधुनिक युग में संचार का व्यापक महत्व है। संचार का अर्थ ही संप्रेषण है जो जनता से जुड़ा हुआ है। और मीडिया में इसका प्रयोग किया जाता है। संचार साधनों के व्यापक प्रचलन के कारण संचार भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग समाचार पत्रों रेडियो, और टेलीवीजन सभी पर हो रहा है।

3. राज भाषा के रूप में – राज भाषा का अर्थ है– सरकारी कार्यों के लिए प्रयुक्त भाषा। भारतीय संविधान के अध्याय 17 अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राज भाषा देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी होगी। इसका आशय यह है कि संघ की विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका आदि में संवैधानिक मान्यता प्राप्त राज भाषा के रूप मे हिन्दी का प्रयोग किया जायेगा।

4. माध्यम भाषा के रूप में – माध्यम भाषा का स्वरूप एक ऐसी भाषा का होता है जिसका माध्यम हर क्षेत्र में प्रयोग किया जाए। हिन्दी माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका को निर्वाह कर सकती है।

5. साहित्यिक भाषा के रूप में – हिन्दी भाषा में रचा गया साहित्य आज न केवल भारत बल्कि पुरी दुनिया में आदरपूर्वक स्वीकारा जाता है। एक और हिन्दी में परम्परागत भाषा बनकर प्राचीन भारतीय भाषाओं के साहित्य को बरकरार रखा वहीं विदेशी भाषाओं के शब्दों को ग्रहण कर समय के अनुसार अपनी प्रयोजनीयता को बढ़ाया।

संदर्भ–

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी म.प्र.हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल।
2. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा म.प्र.हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल।

Scanned by CamScanner

प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था, का आयोजन

विशेष सहयोग :

- संस्कृति विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली,
- दक्षिण मध्यक्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर
- संस्कृति संचालनालय भोपाल म.प्र.

अखिल भारतीय

संजा लोकोत्सव

मालवी पारंपरिक लोक कलाओं एवं संस्कृति का पर्व

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

''लोक एवं जनजातीय साहित्य और संस्कृतिः अध्ययन और अनुसंधान की नई दिशाएँ''

09 एवं 10 सितम्बर 2017

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि

श्री/श्रीमती/कु. मुकेश भार्गव

ने अ.भा. संजा लोकोत्सव के अंतर्गत आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

में "चंद्रकांत देवताले के काव्य में लोक संस्कृति" विषय

पर अपना शोध पत्र वाचन कर विद्वतजनों

से विशेष सराहना प्राप्त की।

हम आपके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते है

मुख्य समन्वयक	सचिव	अध्यक्ष
डॉ. शैलेन्द्र कुमार शर्मा	कुमार किशन	गुलाबसिंह यादव
(कुलानुशासक विक्रम विश्व विद्यालय)	(प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था)	(प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था)

कार्यालय -

8, आशा भवन, विश्वविद्यालय मार्ग, शिप्रा होटल के सामने, फ्रीगंज, उज्जैन

Web-www.pratikalpa.com, E mail-pratikalpaujjain@gmail.com Mob. 94071-26842

Scanned by CamScanner

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय एवं
अक्षर वार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका का प्रतिष्ठा आयोजन
28 फरवरी 2018, बुधवार
स्थान : त्रिवेणी संग्रहालय, रुद्रसागर, जयसिंहपुरा, उज्जैन- 456 006

कला एवं पुरातत्व संग्रहालय
त्रिवेणी
सनातन का सनकाल

अक्षर वार्ता
अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका

विषय

स्त्री विमर्श : परम्परा और नवीन आयाम

Discourse on Woman : Tradition and New Dimensions

प्रमाण-पत्र क्र. 286

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/डॉ. मुकेश भार्गव
संस्था भाषा अध्ययनशाला (दे.अ.वि.वि. इन्दौर)
ने अक्षर वार्ता अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका और त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, उज्जैन (म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग, भोपाल) द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2018 को आयोजित **स्त्री विमर्श : परम्परा और नवीन आयाम** पर केन्द्रित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की।

इन्होंने स्त्री विमर्श :- आधुनिक परिप्रेक्ष्य में (चन्द्रकांत -देवताले)
विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया/व्याख्यान दिया/ सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा
प्रधान सम्पादक, अक्षर वार्ता
आचार्य एवं कुलानुशासक
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, म.प्र.

डॉ. मोहन बैरागी
सम्पादक अक्षर वार्ता
अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका
उज्जैन, म.प्र.

अवधेश श्रीवास्तव
प्रभारी अधिकारी
त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय
उज्जैन, म.प्र.

कार्यालय : 43, क्षीरसागर, द्रविड़ मार्ग, उज्जैन, म.प्र. भारत 456 006, फोन : 0734-2550150
office : 43, Kshir Sagar, Dravid Marg, Ujjain, M.P. India 456 006, Phone : 0734-2550150
Website : www.aksharwarta.com, gmail : aksharwartajournal@gmail.com

Scanned by CamScanner

School Of Comparative Languages & Culture

Devi Ahilya University Indore

Accredited 'A' Grade by NAAC

In Association with

Sindhu Shodh Peeth D.A.V.V.

Certificate

This is to certify that Prof./Dr./Ms./Shri प्रो. मुकेश मार्गव

Participated/Presented/Volunteer in the One Day Nation Seminar On "Linguistic Challenges and Possibilities in the New Millennium " Organized by the department, on 17th April, 2018. She/ He has presented a paper entitled

"चन्द्रकांत देवताले के काव्य में भाषाई चेतना"

Tanwani

(Dr. Sanjay Tanwani)
Prof. In Chair
Sindhu Shodh Peeth DAVV

(Prof. & Head)
School Of Comparative Language & Culture
Devi Ahilya Vishwavidyalaya Indore

(Prof. Rekha Acharya)
Head & Organizing Secretary
School Of Comp.Lang.& Cult. DAVV

Scanned by CamScanner

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त महाविद्यालय)

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल

हिन्दी-विभाग

प्रमाण-पत्र

राष्ट्रीय संगोष्ठी : 05 अक्टूबर 2018

हिन्दी कविता में राष्ट्रीय संचेतना

प्रमाणित किया जाता है कि डॉ./प्रा./सह. प्रा./सहा. प्रा/श्री/श्रीमती ....मुकेश भार्गव, शोधार्थी..... संस्था तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला डी.वी. इन्दौर ने उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन, भोपाल द्वारा प्रायोजित तथा हिन्दी विभाग शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल, म.प्र. द्वारा आयोजित (एक दिवसीय) राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की तथा "चन्द्रकान्त देवताले के काव्य संदर्भ में राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा की भूमिका" शीर्षक पर आलेख प्रस्तुत किया।

डॉ. उर्मिला शिरीष शर्मा
संयोजक/विभागाध्यक्ष

डॉ. सुधीर कुमार
आयोजन सचिव

डॉ. रामेश्वर सिंह
प्राचार्य

Scanned by CamScanner

प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था, का आयोजन

विशेष सहयोग :

• संस्कृति विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली • संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली,
• संस्कृति संचालनालय भोपाल म.प्र.

संजा लोकोत्सव

मालवी पारंपरिक लोक कलाओं एवं संस्कृति का पर्व

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

''लोक एवं जनजातीय साहित्य और संस्कृतिः वैश्विक परिप्रेक्ष्य में

6 – 7 अक्टूबर 2018

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि

श्री/श्रीमती/सुश्री /डॉ. मुकेश भार्गव

शा. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन

ने संजा लोकोत्सव के अंतर्गत आयोजित अन्तर राष्ट्रीय संगोष्ठी

में "चन्द्रकांत देवताले के काव्य में संस्कृति और मानव मूल्य"

पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत/अध्यक्षीय वक्तव्य/व्याख्यान दिया

मुख्य समन्वयक	सचिव	अध्यक्ष
डॉ. रौलेन्द्र कुमार शर्मा	कुमार किशन	गुलाबसिंह यादव
(कुलानुशासक विक्रम विश्वविद्यालय)	(प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था)	(प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था)

कार्यालय -

8, आशा भवन, विश्वविद्यालय मार्ग, शिप्रा होटल के सामने, फ्रीगंज, उज्जैन

Web-www.pratikalpa.com, E mail-pratikalpaujjain@gmail.com Mob. 94071-26842

Scanned by CamScanner

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इन्दौर (म.प्र.)

नैक द्वारा 'ए' ग्रेडित

हिन्दी विभाग

राष्ट्रीय कार्यशाला (संकाय क्षमता संवर्ध्दन)

सोशल मीडिया के विविध प्लेटफार्म एवं उनका संचालन

18 फरवरी से 25 फरवरी 2019

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है श्री/सुश्री/प्रो./डॉ. मुकेश भार्गव

भाषा अध्ययनशाला, दे.अ.वि.वि. इंदौर

ने कार्यशाला में सक्रिय सहभागिता की।

संयोजक
डॉ. कला जोशी

प्राचार्य
डॉ. वंदना अग्निहोत्री

Scanned by CamScanner

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
इन्दौर (म.प्र.) नैक द्वारा 'ए' ग्रेडित

हिन्दी-विभाग

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

16 मार्च 2019, शनिवार

किन्नर सभ्यता, संस्कृति एवं साहित्य : चिंतन और चुनौतियाँ

प्रमाण-पत्र

श्री/सुश्री/डॉ./प्रा. मुकेश भार्गव संस्था भाषा अध्ययनशाला, देवी अहिल्या वि.वि. इन्दौर ने महाविद्यालय के हिन्दी-विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में विषय विशेषज्ञ/आमंत्रित वक्ता/शोधपत्र प्रस्तोता के रूप में किन्नरों का साहित्य में स्थान (नाला सोपारा का संदर्भ) विषय पर विचार रखे/सहभागिता की।

डॉ. कला जोशी
संयोजक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी

डॉ. वन्दना अग्निहोत्री
संरक्षक एवं प्राचार्य

Scanned by CamScanner

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 28-29 मार्च 2019

''डिजीटल मीडिया और हिन्दी: संभावनाएं और चुनौतियां''

(यूजीसी 12वीं योजना, देअविवि द्वारा प्रवर्तित)

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/डॉ. मुकेश आगवि

.....ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में

सहभागिता की। शोधपत्र शीर्षक नवीन मीडिया का समाज पर प्रभाव

..... प्रस्तुत किया।

हम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

डॉ. सोनाली नरगुन्दे

संगोष्ठी समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला, देअविवि, इंदौर

Scanned by CamScanner